सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 309 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 20 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सुझाव देना और बाद में हमने जो कहा उसके नतीजे से बचने की कोशिश करना बेहद आसान है।
-जवाहरलाल नेहरु

बसपा के लिए निकाय चुनाव अहम... 8 ...तो राहुल से बढ़ रही राजभर... 3 सड़क हादसे में बाल-बाल बचे... 7

विज्ञापनों पर केजरीवाल से करोड़ों की वसूली और भाजपा के एड पर मेहरबानी

» पीएम से लेकर यूपी के सीएम तक ने चुनाव प्रचार के लिए सरकारी धन का किया है इस्तेमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और उप राज्यपाल के बीच जंग और तेज हो गई है। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को 97 करोड़ रूपये की रिकवरी के आदेश दिए हैं। एलजी का मानना है कि यह विज्ञापन राजनीतिक थे जिन्हें सरकारी खर्चे पर दिया गया। मगर मजे की बात ये है कि देशभर में पेट्रोल पम्पों से लेकर राशन के झोलों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें चुनाव से ठीक पहले दर्शाई गई। यही नहीं यूपी चुनाव से पहले सरकारी विज्ञापनों में लाल टोपी के विज्ञापन छपवाए गए, तो ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ आम आदमी पार्टी से ही इस तरह के विज्ञापनों की वसूली होगी या फिर जो भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का प्रचार करती हैं उन सभी से इसकी वसूली की जाएगी?

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी कर प्रचार-प्रसार कराया गया। मगर यूपी में राज्यपाल का इस और कोई ध्यान नहीं गया। केवल आम आदमी पार्टी की देश में सत्ताधारी पार्टी के लिए बढ़ती चुनौती के चलते उसकी राह में रोड़े अटकाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की राशन के झोलों पर तस्वीर से लेकर पैट्रोल पंपों पर लगे होर्डिंग्स और लाल टोपी तक के विज्ञापनों में सरकारी खजाने से पब्लिक का पैसा इस्तेमाल किया गया है, लेकिन इस पर कोई कमेटी न जांच के लिए बनाई गई है और न किसी दूसरे सियासी दल को इस मामले में कटघरे में खड़ा किया गया। अब ऐसे में यह सवाल तो उठना लाजमी है कि क्या सिर्फ अरविंद केजरीवाल के दल पर ही चाबुक चलेगा या फिर दूसरे दलों से भी वूसली होगी?

आप का पलटवार
बीजेपी कब देगी 22 हजार करोड़?
आप ने ट्वीट कर कहा है कि कहते है दिल्ली सरकार की डेंगू, बायोडाइजेस्टर अभियान पर करोड़ों लगे, लेकिन काम पर खर्चा लाखों का। अरे ऐसे तो केंद्र सरकार की कोविड मास्क पहनें एड हजारों करोड़ की थी, पर मास्क पांच रुपए का था। ये क्या बेवकूफी भरी बात हुई? बिना पॉवर के ही एलजी अवैध आदेश पास कर रहे है। दिल्ली सरकार के विज्ञापन बाहर कैसे छप रहे हैं? वहीं बीजेपी शासित राज्यों गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आसाम ने करीब 22 हजार करोड़ के विज्ञापन बाहरी राज्यों में दिए हैं। जेपी नड्डा जी बताएं, बीजेपी ये 22 हजार करोड़ कब देगी?

राजनैतिक हंगामा जारी

प्रचार पर संकट में केजरीवाल

» एक माह में विज्ञापन पर 24 करोड़ खर्च करने का आरोप
» हाईकोर्ट की गठित तीन सदस्य कमेटी में दोषी मिली आप

दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना ने चीफ सेक्रेटरी को आम आदमी पार्टी से 97 करोड़ रुपए वसूलने के आदेश दिए हैं। इसके लिए पार्टी को 15 दिन का समय दिया गया है। सीएम अरविंद केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने पार्टी के प्रचार में सरकारी पैसे खर्च किए, जो कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। एलजी का कहना है कि केजरीवाल ने राजनीतिक विज्ञापनों को सरकारी विज्ञापन के तौर पर पब्लिश करवाया है। अगस्त 2016 में हाईकोर्ट ने इस मामले में तीन सदस्यों की एक कमेटी गठित की थी। कमेटी को विज्ञापनों पर खर्च की गई राशि को लेकर जांच के आदेश दिए गए थे। समिति ने 16 सितंबर 2016 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें आप को दोषी पाया गया था।

वसूली पर भाजपा ने उड़ाई 'आप' की खिल्ली

दिल्ली बीजेपी ने ट्वीट कर आप पर तीखा हमला बोला है। कहा है कि केजरीवाल सरकार ने पिछले 7 सालों में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा दिल्ली के टैक्स पेयर्स का पैसा अपने प्रचार में बर्बाद किया है। एससी ने केजरीवाल सरकार को 97 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा करने का आदेश दिया है। ये फैसला पुष्टि करता है कि केजरीवाल सरकार पूरी तरह से भ्रष्ट सरकार है। 97 करोड़ रुपए को जमा कराने के फैसले का भाजपा स्वागत करती है।

शब्दबाण से भाजपा-कांग्रेस में घमासान

» मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से भड़की बीजेपी
» माफी पर खरगे ने भाजपा पर फिर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को शब्दों के बाण से भाजपा और कांग्रेस में घमासान रहा। भाजपा जहां कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान पर माफी की मांग करती रही वहीं कांग्रेस की ओर से मल्लिकार्जुन खरगे ने फिर से भाजपा पर हमला बोला और कहा कि माफी मांगने का काम गद्दारों का रहा है, हम देश के वफादार है। इसके अलावा आज

विपक्षी सांसदों ने कई अलग-अलग मुद्दों पर राज्यसभा और लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

भाजपा ने जब माफी मांगने के लिए कहा तो खरगे ने कहा कि अगर मैं वही दोहराऊंगा जो मैंने बाहर कहा था तो उनके लिए मुश्किल हो जाएगी। माफी मांगने वाले लोग आजादी की लड़ाई लड़ने वाले लोगों से सवाल कर रहे हैं। मैंने कहा कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने अपना बलिदान दिया। आप में से किसने इस देश की एकता के लिए अपनी जान दे दी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर खरगे के इस बयान पर आज राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा ने जहां माफी की मांग की वहीं खरगे ने सफाई देते हुए कहा कि हमने संसद के बाहर ये बयान दिया था। भाजपा नेता पीयूष गोयल ने खरगे पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें सदन में रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वजह से जम्मू कश्मीर की ऐसी हालत हुई है। गोयल ने कहा कि कल अलवर में विपक्ष के नेता खरगे ने अभद्र भाषण दिया था। जिस भाषा का प्रयोग किया गया है वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

लोस की कार्यवाही रूकी रास मे हंगामा रहा जारी

लोकसभा में चीन के मुद्दे पर भारी हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा अभी भी जारी है।

भाजपा सांसद बृजलाल ने राज्यसभा में नोटिस दिया

भाजपा सांसद बृजलाल ने राज्यसभा में पंजाब में रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड से हमले की चिंता पर चर्चा के लिए शून्यकाल नोटिस दिया है।

पीड़ित परिवार से मिले सपा सुप्रीमो अखिलेश

'मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और एक करोड़ का मुआवजा दे सरकार'

» कहा-व्यापारी बलवंत की पुलिस ने बेरहमी से की पिटाई

» मृतक की पत्नी ने अखिलेश को पत्र लिखकर मांगी थी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कानपुर देहात के लालपुर सरैंया पहुंच पीड़ित परिवार से मिलकर घटना के प्रति दुख प्रकट किया। कहा कि व्यापारी बलवंत की पुलिस ने बेरहमी से पिटाई की है। उसके शव की तस्वीर देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसकी जिम्मेदार सरकार है। पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा व पत्नी को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की।

12 दिसंबर की रात सरैंया गांव के व्यापारी बलवंत सिंह की रनियां थाना में पुलिस पिटाई से मौत हो गई थी। इसके बाद जिले की राजनीति में हलचल आ गई। विरोधी दल सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मृतक व्यापारी की

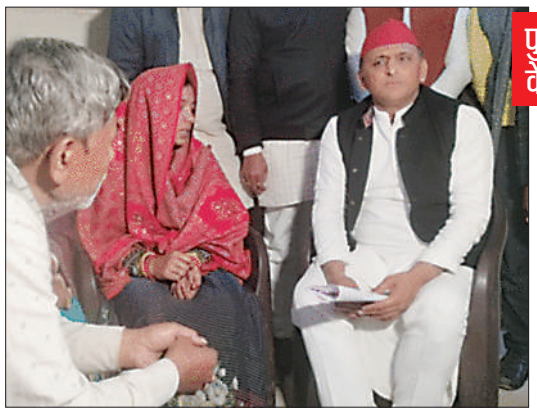

पत्नी शालिनी ने अखिलेश यादव को पत्र लिखकर मदद मांगी थी। साथ ही पत्र में अखिलेश के घर आने का आग्रह किया था। इस पर अखिलेश यादव घर पहुंचे। उन्होंने मृतक के पिता, चाचा, बहन व पत्नी से मुलाकात की।

घटना के बावत विस्तार से जानकारी लेने के बाद उन्होंने कहा कि पुलिस ने बलवंत पर जुल्म ढहाया है। कहा कि पुलिस मदद के लिए है। सवाल उठाया कि पुलिस को आजादी किसने दी है। भाजपा सरकार में सबसे अधिक पुलिस कस्टडी में डेथ हुई है। उन्होंने पार्टी की तरफ से परिवार की मदद को लेकर अभी खुलासा नहीं किया। कहा कि वह पीड़ित परिवार की मदद करेंगे।

पुलिस कस्टडी में होने वाली मौतों के मामले में सख्ती बरतें सरकार

प्रदेश में पुलिस कस्टडी में मौत के मामले रोकने के लिए भाजपा सरकार को गंभीर होना चाहिए। ये मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है कि पुलिस कस्टडी में डेथ होने के मामले में सख्ती बरतें। ऐसा होता रहा तो जनता का विश्वास पुलिस से उठ जाएगा। सरैंया लालपुर गांव में पीड़ित परिवार से मिलने के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि पुलिस कस्टोडियल डेथ के मामले में प्रदेश का देश में पहला स्थान है। गोंडा, जौनपुर समेत अन्य जनपदों की घटनाओं का जिक्र किया। कहा कि पुलिस को बेलगाम करने में हाथ सरकार है।

कांशीराम आवास योजना में भ्रष्टाचार

अंबेडकर नगर में तैनात एसडीएम भेजे गए जेल

» अदालत से जारी हुआ था गैर जमानती वारंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकर नगर। प्रदेश के अंबेडकर नगर के भीटी में तैनात एसडीएम सुनील कुमार को सोमवार देर रात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। एसडीएम के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। कोर्ट के आदेश के बाद अंबेडकर नगर पंहुची चंदौली पुलिस ने एसडीएम को गिरफ्तार अपने साथ ले गई।

बताया जाता है कि हाईकोर्ट ने एसडीएम की गिरफ्तारी का आदेश जारी किया था। 2013 में कांशीराम आवास की एक जांच के मामले में सही तरीके जांच न करने का एसडीएम को दोषी पाया गया, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई। एसओ भीटी पंडित त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस एसडीएम को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है।

ये था मामला

एसडीएम सुनील कुमार ने 2011 में कांशीराम आवास योजना में बंदरबाट की थी। बताया जा रहा है कि एसडीएम ने अपने रिश्तेदार और जानने वालों को आवास दिये थे। उस समय एसडीएम सुनील कुमार चंदौली में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात थे। 2013 में एक प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच की मांग की गई थी। तत्कालीन अपर जिला अधिकारी ने मामले की जांच कराई थी, जिसमें 42 लोगों को गलत ढंग से आवास आवंटन मिला था। इस मामले में 12 से अधिक अधिकारी दोषी पाए गए थे। जिसमें एसडीएम सुनील कुमार भी शामिल थे।

ताजमहल पर एक करोड़ का कर बकाया, नगर निगम ने भेजा नोटिस

» नोटिस में गृहकर, जलकर और सीवर कर है शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। ताजमहल को एक करोड़ से अधिक रुपये के बकाया का नोटिस आगरा नगर निगम ने भेजा है। नोटिस में गृहकर, जलकर और सीवर कर इत्यादि शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, अकेले हाउस टैक्स के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपये का नोटिस पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। नोटिस में 15 दिन के अंदर यह हाउस टैक्स जमा करने को कहा गया है। अगर 15 दिन में टैक्स जमा नहीं किया जाता है तो ताजमहल को जब्त करने की चेतावनी दी गई है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, आगरा के अधिकारियों के अनुसार, हाउस टैक्स का एक नोटिस एत्माद्दौला स्मारक को भी भेजा गया है। संरक्षित स्मारक एत्माद्दौला को यह

नोटिस एत्माद्दौला फोरकोर्ट के नाम से भेजा गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग में अधीक्षक डॉ. राजकुमार पटेल ने बताया कि ताजमहल और एत्माद्दौला के संबंध में भेजे गए नोटिस का जवाब देकर स्थिति स्पष्ट की जाएगी। हालाकि उन्होंने कहा कि ताजमहल और एत्माद्दौला राष्ट्रीय स्मारक है और यह केंद्र और राज्य सरकार की संपत्ति है। टैक्स गणना के लिए लगाई गई एजेंसी की गलती से ऐसा हुआ होगा। पुरातत्व विभाग नगर निगम को जवाब भेजकर स्थिति स्पष्ट कर देगा।

भारत जोड़ो यात्र दिल्ली पहुंचने पर लेगी 9 दिन का विराम

» शनिवार की शाम को दिल्ली पहुंचेगी यात्रा

» ब्रेक के बाद नए साल में शुरू होगा सफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान में आज अंतिम दिन है। 100 दिन पूरे करने के बाद भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगी। जिसके बाद नौ दिन का ब्रेक होगा। उसके बाद भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी 2023 को फिर से शुरू होगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर की शाम को दिल्ली पहुंचेगी। उसके बाद नौ दिनों का ब्रेक होगा। जिससे कंटेनरों की मरम्मत की जा सके और कंटेनरों को कड़ाके की सर्दी के लिए तैयार

किया जा सके। इस ब्रेक में कई भारत यात्री लगभग चार महीने के बाद अपने परिवार से मिल पाएंगे और उनके साथ समय बिता पाएंगे।

राहुल गांधी की यात्रा 3 जनवरी 2023 को फिर से शुरू होगी। इस बीच, पार्टी की हरियाणा इकाई मेगा वॉकथॉन की तैयारी कर रही है क्योंकि राज्य में यात्रा का पहला चरण बुधवार से शुक्रवार तक चलेगा। इस चरण में फिरोजपुर झिरका से फरीदाबाद तक पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता और आम जनता भाग लेगी। इसके बाद 6 जनवरी 2023 को पानीपत बॉर्डर पर सनौली खुर्द से यात्रा शुरू होगी। इस मौके पर अगले दिन पानीपत में एक विशाल रैली का आयोजन भी किया जाएगा।

राजस्थान में यात्रा का आज अंतिम दिन

भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार को राजस्थान में आखिरी दिन है। भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार सुबह करीब 6.30 बजे शुरू हुई। यात्रा अलवर शहर से होकर गुजरेगी। रामगढ़ के बीजवा गांव में यात्रा का रात्रि विश्राम रखा गया है। राहुल गांधी की यात्रा का राजस्थान में 16वां और आखिरी दिन है। यात्री आज राहुल के साथ 23 किमी पैदल चलेंगे। बता दें कि राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा ने चार दिसंबर को झालावाड़ से प्रवेश किया था। राजस्थान में 16 दिन में 526 किमी यात्रा करने का लक्ष्य रखा गया। यात्रा में लोगों की भीड़ उमड़ी। जिनसे राहुल ने संवाद किया।

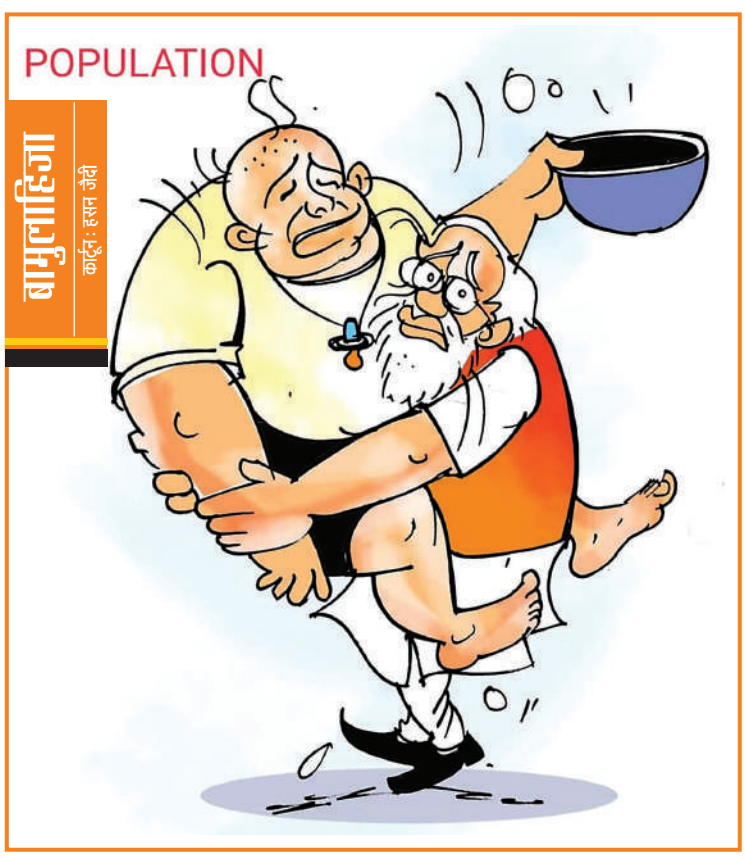

रोडवेज बस में बगैर टिकट पकड़े जाने पर दर्ज होगी एफआईआर

» वसूला जाएगा 10 गुना तक जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। अब यूपी रोडवेज की बसों में किसी की मनमानी नहीं चलेगी। बिना टिकट यात्रा करते पकड़े जाने पर परिचालक (कंडक्टर) के साथ यात्रियों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। साथ ही यात्रियों को किराये से कम से कम दस गुना अधिक जुर्माना भरना होगा। अभी तक सिर्फ परिचालकों के खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज कराई जाती रही है।

परिवहन निगम ने बिना टिकट यात्रा पर परिचालकों के साथ यात्रियों की भी जिम्मेदारी तय कर दी है। टिकट का 50 रुपये से कम किराया होने पर उसका दस गुना जुर्माना लगता है। 50 रुपये से अधिक

किराया होने पर 500 जुर्माना लगता है। इसके बाद भी बसों में बिना टिकट यात्रा पर अंकुश नहीं लग पा रहा। ठंड के दिनों में बिना टिकट यात्रियों की संख्या और बढ़ गई है। अब निगम के सहायक यातायात निरीक्षक रास्ते में बसों को रोककर चेक करेंगे। इस दौरान वे जांच का वीडियो भी बनाएंगे। अनियमितता पकड़े जाने पर क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) को सूचना देकर जुर्माना वसूलेंगे। जुर्माने की राशि सीधे डिपो में जमा होगी।

...तो राहुल से बढ़ रही राजभर की नजदीकी ?

सुभासपा 2024 में कांग्रेस के 'हाथ' के आ सकती है साथ

» चुनाव से पहले पाला बदलने का रहा है ओमप्रकाश का इतिहास

» कांग्रेस और राजभर बन सकते हैं पूर्वांचल में एक-दूसरे का सहारा

परवेज़ त्यागी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से अलगाव के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अब कांग्रेस से मिलाप की पींगे बढ़ा रही है। सुभासपा के मुखिया ओमप्रकाश राजभर ने राहुल गांधी की तारीफ कर शायद अपने भविष्य की राजनीति के संकेत दिए हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि आम चुनाव 2024 में छड़ी जिस हाथ में होगी वह कांग्रेस का हो सकता है।

सपा से अलगाव के बाद नए सियासी दोस्त की है तलाश

गौरतलब है, सुभासपा सुप्रीमो ओपी राजभर का राजनैतिक इतिहास चुनाव से पहले पाला बदलने का रहा है। बसपा से अलग होने के बाद अपनी पार्टी बनाने वाले राजभर 2017 में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। सरकार में मंत्री होने के बावजूद भी योगी-1 में तवज्जो नहीं मिलने के चलते बीच में ही भाजपा का साथ छोड़ दिया था और 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री का उनका पद भी चला गया था। ओपी राजभर ने भाजपा से दूरी के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के साथ सियासी दोस्ती का हाथ बढ़ाया था और दोनों दलों ने 2022 का विधानसभा चुनाव यूपी में एक साथ मिलकर लड़ा। हालांकि दोनों दलों के गठबंधन के बाद भी भाजपा फिर से उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनाने में कामयाब रही।

विधानसभा चुनावी नतीजों के बाद अखिलेश यादव पर राजभर की टीका-टिप्पणी के चलते दोनों के सियासी रिश्तों में दरारें आईं तो दोनों की एक-दूसरे से राहें अलग हो गईं। सुभासपा की सपा से दोस्ती महज छह माह ही चल सकी। बेटे को सपा के सहारे सदन में भेजने की महत्वाकांक्षा रखने वाले ओमप्रकाश को विधान परिषद चुनाव में तवज्जो नहीं मिलना भी अखिलेश से अलगाव की वजह बना।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

हालांकि निकाय चुनाव की सरगर्मियां सूबे में बढ़ने के साथ ही फिर से शिवपाल यादव के सहारे राजभर ने सपा से दोस्ती के संकेत दिए थे, मगर सपा की ओर से ग्रीन सिग्नल नहीं मिलने के बाद के अब उनकी कांग्रेस से सियासी दोस्ती की बातें फिजा में तैरने लगी हैं। राजभर को नए सियासी दोस्त की तलाश भी है और शायद उनकी तलाश को इस बार कांग्रेस पूरी कर सकती है। क्योंकि यूपी में कमजोर कांग्रेस को भी मजबूती के लिए गठबंधन का सहारा चाहिए। दोनों एक-दूसरे को मिलकर सहारा दे सकते हैं। शायद इस बात ध्यान में रखकर ही राहुल गांधी की ओपी राजभर ने तारीफ की है। लेकिन भविष्य में उनकी सियायत का ऊंट किस करवट बैठेगा यह उनसे बेहतर कोई नहीं जानता है। मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि राजभर का राहुल की प्रशंसा करने के पीछे कुछ तो रहस्य है।

बसवराज सरकार शीतकालीन सत्र में लाने जा रही विधेयक

हलाल मीट : सदन में भिड़ सकती है बीजेपी-कांग्रेस

» कर्नाटक में हलाल मीट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में बसवराज बोम्मई सरकार हलाल मीट के खिलाफ विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। इसका प्रस्ताव बनकर तैयार हो गया है। कहा जा रहा है कि सोमवार से शुरू हो रहे कर्नाटक के शीतकालीन सदन में यह विधेयक पेश किया जा सकता है। इसे लेकर हंगामे की भी उम्मीद है। हलाल मीट को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने आ सकती है। कर्नाटक में हलाल मीट के खिलाफ विधेयक को अगले साल होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि भ्रष्टाचार के मुद्दों और लड़खड़ाते नागरिक बुनियादी ढांचे के बावजूद बोम्मई सरकार कांग्रेस पार्टी से लड़ने के लिए हिंदुत्व कार्ड चला रही है। कर्नाटक, दक्षिण भारत में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति है, इसलिए देश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए यह महत्वपूर्ण है।

बसवराज बोम्मई सरकार कर्नाटक में हलाल मीट पर बैन लगाने की योजना बना रही है। बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र में हलाल मांस पर प्रतिबंध लगाने वाला एंटी-हलाल बिल पेश हो सकता है। कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे बीजेपी का चुनावी दांव माना जा रहा है। हिंदुत्व रुख के हिस्से के रूप में कर्नाटक में बीजेपी सरकार ने पहले से ही गोहत्या और धर्मांतरण पर रोक लगाने वाले कानून पेश किए हैं। बीजेपी के कदमों को राज्य के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में धर्मनिरपेक्ष दल संदेह के साथ देख रहे हैं। कर्नाटक में मुस्लिम आबादी का 14 प्रतिशत हिस्सा है और तटीय इलाकों के साथ-साथ राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी इसका महत्वपूर्ण प्रभाव है। यह राज्य दक्षिणपंथी हिंदू और मुस्लिम राजनीति के लिए एक उर्वर भूमि रहा है।

कर्नाटक में हलाल मीट के खिलाफ विधेयक को अगले साल होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से जोड़कर देखा जा रहा है।

हिंदुत्व की प्रयोगशाला बन रहा कर्नाटक

कर्नाटक राज्य देश में हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनता जा रहा है। हाल ही में हिजाब, हलाल और अंत में मंगलुरु में ऑटो-रिक्शा विस्फोट के साथ-साथ कई हत्याओं ने दोनों समुदायों के बीच लड़ाई की रेखाएं खींच दी हैं। हिजाब, हलाल हो या लव जिहाद, कर्नाटक में पिछले एक साल में सामने आई कई घटनाएं राजनीतिक एजेंडे को मजबूती से स्थापित करती दिख रही हैं। कर्नाटक में अगले साल मई 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी हिंदुत्व की राह पर आगे बढ़ रही है।

उगादि पर उठा हलाल मीट का मामला

हलाल मीट का विवाद उगादि महोत्सव से शुरू हुआ। हिंदू जागृति समिति, श्रीराम सेना, बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठन कर्नाटक में सड़कों पर उतरे। मुसलमानों की दुकान से हलाल मीट न खरीदने की मांग उठी। मीट बेचने वाली दुकानों को डिस्प्ले बोर्डों से हलाल हटाने को भी कहा। उन्होंने कहा कि उगादि की मौके पर चढ़ाया जाने वाला मीट झटका ही होना चाहिए। हलाल मीट का विवाद बढ़ा और बीजेपी एमएलसी ने उस बिल को लाने की पहल की है जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और सुरक्षा संघ के अलावा किसी अन्य संस्था के खाद्य प्रमाणन पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है। एमएलसी ने इसे एक निजी विधेयक के रूप में पेश करने की योजना बनाई और राज्यपाल थावरचंद गहलोत को लिखा था। अब सरकार एंटी हलाल मीट पर विधेयक लाने की तैयारी कर रही है।

हलाल और झटका को लेकर विवाद

हलाल मीट को लेकर विवाद हो रहा है कि मुसलनान जानवर को मक्का की तरह मुंह करके उसके गले की नस काटते हैं। इस दौरान वह अल्ला का नाम लेते हैं। मुसलमान हलाल मीट को ही खाने योग्य मानते हैं। उनमें झटका मीट खाने की मनाही होती है। हिंदुओं में जानवर की बलि झटके में दी जाती है। माना जाता है ईश्वर का नाम लेकर एक ही वार में जानवर की गर्दन धड़ से अलग कर दी जाती है। इससे जानवर को कम दर्द होता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हवाई यात्रा पर अव्यवस्था का ग्रहण

ऐसा नहीं माना जा सकता कि विमानन कंपनियों को इस बात का अंदाजा नहीं होता कि किस दिन कितने मुसाफिर उनके विमानों में उड़ान भरेंगे। इस हिसाब से उन्हें यह भी अंदाजा होता है कि एक आदमी की जांच और अंतिम रूप से हवाई जहाज में प्रवेश कराने में कितना वक्त लग जाता है। फिर अगर वे मुसाफिरों के बढ़ते दबाव के अनुसार अपनी व्यवस्था में विस्तार नहीं करती हैं, तो इससे उनकी जानबूझ कर की जाने वाली लापरवाही और यात्रियों को परेशान करने की मंशा ही जाहिर होती है।

विदित है कि पिछले कुछ हफ्तों से लोगों की शिकायत है कि उन्हें प्रवेश द्वार से लेकर सामान की जांच आदि के लिए हवाई अड्डों पर लंबी कतार लगानी पड़ती है। इस तरह उन्हें नाहक परेशानी उठानी पड़ रही है। हवाई अड्डों से देश और दुनिया के लिए उड़ानें संचालित होती हैं। स्वाभाविक ही यहां भीड़भाड़ रहती है। मगर मुसाफिरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हवाई अड्डों का विस्तार किया गया था। इनके रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था आदि की जिम्मेदारी सक्षम निजी कंपनियों को सौंपी गई थी। अच्छी सुविधाएं और व्यवस्था मुहैया कराने के तर्क पर यात्रियों से अधिक शुल्क भी वसूला जाता है। फिर भी अगर वहां अव्यवस्था का आलम देखा जाता है और उसके समाधान के लिए नागर विमानन मंत्रालय और संसदीय समिति को दखल देना पड़ता है, तो यह विडंबना ही कही जाएगी। दिल्ली और मुंबई जैसे हवाई अड्डों पर यात्रियों के पहुंचने का समय एक घंटे से बढ़ा कर उड़ान से दो घंटा पहले कर दिया गया। साथ ले जाए जाने वाले सामान का वजन भी घटा कर कम कर दिया गया। ऐसा इसी मकसद से किया गया कि यात्रियों और सामान आदि की जांच में असुविधा न हो। इसके बावजूद अगर लोगों को लंबी कतार लगानी पड़ती है, तो इसे व्यवस्थागत खामी ही कहेंगे।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि विमानन कंपनियों को इस बात का अंदाजा नहीं होता कि किस दिन कितने मुसाफिर उनके विमानों में उड़ान भरेंगे। इस हिसाब से उन्हें यह भी अंदाजा होता है कि एक आदमी की जांच और अंतिम रूप से हवाई जहाज में प्रवेश कराने में कितना वक्त लग जाता है। फिर अगर वे मुसाफिरों के बढ़ते दबाव के अनुसार अपनी व्यवस्था में विस्तार नहीं करती हैं, तो इससे उनकी जानबूझ कर की जाने वाली लापरवाही और यात्रियों को परेशान करने की मंशा ही जाहिर होती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कामकाजी व्यस्तता और लंबी दूरी के लिए अच्छी रेलगाड़ियां न होने की वजह से बहुत सारे लोग रेल के बजाय हवाई जहाज से सफर करना बेहतर समझते हैं। यह अच्छी बात है कि कोरोना काल में लंबी बंदी के बाद हवाई यात्रा सुगम हो गई है और इस तरह उन्हें अपना घाटा पाटने में मदद मिल रही है, मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं लगाया जा सकता कि मुसाफिरों की सुविधा का ध्यान रखे बगैर वे मुनाफा कमाएं। फिर हवाई अड्डो की व्यवस्था संभालने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए कि ऐसी अव्यवस्था का दंड उन्हें भुगतना होगा। बहुत सारे लोग शारीरिक रूप से इतने सक्षम नहीं भी हो सकते कि वे लंबे समय तक कतार में खड़े होकर जांच प्रक्रिया से गुजर सकें। मुसाफिरों से शुल्क लिया जाता है, तो उन्हें सुविधाएं पाने का पूरा अधिकार है। इसकी जवाबदेही तो तय होनी ही चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्महत्या शिक्षा प्रणाली पर सवाल

आशुतोष चतुर्वेदी

मेरा मानना है कि आत्महत्या से बड़ा कोई अपराध नहीं है। हाल में कोटा से तीन छात्रों द्वारा एक ही दिन अलग-अलग आत्महत्या की खबर आयी। इस खबर ने विचलित कर दिया। दो छात्र तो एक ही हॉस्टल में रहते थे और उनका कमरा भी पास ही था, जबकि तीसरा अन्य इलाके में रहता था। पुलिस के अनुसार, अन्य बच्चों ने बताया कि आधी रात में एक बच्चा अपने कमरे में रो रहा था और उसकी आवाज सुनाई दी थी। वह बीच-बीच में क्लास भी नहीं जा रहा था, लेकिन किसी ने उससे यह नहीं पूछा कि उसकी समस्या क्या है। कोटा के पुलिस प्रमुख केसर सिंह ने गंभीर बात कही कि अगर किसी बच्चे ने उससे बात की होती, तो शायद वह बच जाता। यह बात हम सबको ध्यान में रखनी है कि यदि कोई बच्चा गुम-सुम नजर आता है, तो उससे जरूर संवाद करें। बिहार, झारखंड, सीबीएसई और आइसीएसइ बोर्ड के जब भी नतीजे आते हैं, तो कई बच्चों के आत्महत्या करने की दुखद खबरें भी सामने आती हैं। हर राज्य से ऐसी खबरें आती हैं। कुछ अरसा पहले तेलंगाना में 22 बच्चों ने आत्महत्या कर ली थी।

यह कोई साधारण घटना नहीं है। ऐसी खबरें साल दर साल सामने आ रही हैं। इनका उल्लेख मैं इसलिए कर रहा हूं, ताकि हमें स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लग सके। कम अंकों का दबाव बच्चे इसलिए भी महसूस करते हैं, क्योंकि हमारे बोर्ड टॉपर के नंबर का स्तर हर साल बढ़ा कर एक अनावश्यक प्रतिस्पर्धा को जन्म दे रहे हैं। एक बोर्ड में बच्चों के 500 में 500 अंक आ रहे हैं, तो दूसरे बोर्ड में 500 में 499 अंक लाने वालों बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। दुर्भाग्य यह है कि कुछ दिनों तक ये खबरें चर्चा में रहती हैं, फिर बात खत्म हो जाती है। छात्रों की आत्महत्या के मामले रुक नहीं रहे हैं। बच्चे संघर्ष करने के बजाय हार मान कर आत्महत्या का रास्ता चुन ले रहे हैं। यह चिंताजनक स्थिति है। माता-पिता और शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को समझाते रहें कि परीक्षा परिणाम ही सब कुछ नहीं है।

ऐसे अनगिनत उदाहरण है कि इम्तिहान में बेहतर न करने वाले छात्र-छात्राओं ने जीवन में सफलता के मुकाम हासिल किये हैं। मौजूदा दौर की गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता की असीमित अपेक्षाओं के कारण बच्चों को भारी मानसिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। पहले तनाव

और अवसाद सिर्फ वयस्क लोगों में होता था, लेकिन अब इसकी चपेट में बच्चे भी आ गये हैं। यह तनाव सबसे अधिक पढ़ाई को लेकर है। कई बच्चे परिवार, स्कूल और कोचिंग में तारतम्य स्थापित नहीं कर पाते हैं और तनावग्रस्त हो जाते हैं। मोबाइल और इंटरनेट ने उनका बचपन ही छीन लिया है। दूसरी ओर माता पिता के पास वक्त नहीं है, उनकी अपनी समस्याएं हैं। नौकरी और कारोबार की व्यस्तताएं हैं, उसका तनाव है। और जहां मां नौकरीपेशा है, वहां संवादहीनता की स्थिति और गंभीर है। स्कूल उन्हें अच्छा नहीं लगता, इम्तिहान उन्हें भयभीत करता है। नतीजतन, वे चिढ़ने लगते हैं और आक्रामक हो जाते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि परीक्षा अथवा प्रेम में असफल होने, नौकरी छूटने या बीमारी जैसी छोटी-छोटी वजहों से भी लोग आत्महत्या कर लेते हैं। अवसाद नये दौर की महामारी के रूप में उभर रहा है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में अवसाद को बीमारी नहीं माना जाता है। पीड़ित व्यक्ति की मदद करने के बजाय लोग उसका उपहास उड़ाते हैं। कई बार पढ़े-लिखे लोग भी झाड़-फूंक के चक्कर में फंस जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग पांच करोड़ लोग अवसाद से पीड़ित हैं। सबसे विकसित देश अमेरिका में सबसे अधिक लोग अवसाद से पीड़ित हैं, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि पीड़ित लोगों में से केवल आधे लोगों का इलाज हो पाता है। आत्महत्या जैसे कदम की एक वजह सामाजिक व्यवस्था में बदलाव भी है। भारत में परंपरागत परिवार का ताना-बाना टूट रहा है। परिवार एकाकी हो गये हैं और नयी व्यवस्था में बच्चों को बाबा-दादी, नाना-नानी का सहारा नहीं मिल पाता है। कठिन वक्त में उन्हें इसकी जरूरत होती है।

ऐसे में अनेक बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठा ले रहे हैं। शिक्षा और रोजगार का चोली-दामन का साथ है। यही वजह है कि बिहार और झारखंड में माता-पिता बच्चों की शिक्षा को लेकर बेहद जागरूक हैं। वे हमेशा यह चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छी से अच्छी शिक्षा पाए, ताकि उसे रोजगार मिल सके। बच्चों की शिक्षा के लिए अपनी पूरी जमा-पूंजी लगा देने को तैयार रहते हैं, लेकिन बच्चों की बढ़ती आत्महत्या भारतीय शिक्षा प्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है। यह सही है कि मौजूदा दौर में बच्चों का पढ़ाना कोई आसान काम नहीं रहा है।

तमिलनाडु में उदयनिधि को मंत्री बनाने के मायने

आर राजागोपालन

राज्य में पदस्थ उत्तर भारतीय अधिकारी भी अड़चन डालते हैं। स्टालिन के लिए राज्यपाल आरएन रवि की सक्रियता भी बड़ा सिरदर्द है। सरकार के बरक्स राज्यपाल हिंदुत्व समर्थक भाषणों तथा केंद्र सरकार के प्रति झुकाव से एक समानांतर आख्यान बना रहे हैं। तमिलनाडु विधानसभा के अनेक निर्णयों को राजपाल स्वीकृत नहीं कर रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार में उदयनिधि स्टालिन को शामिल करना इंगित करता है कि न केवल द्रमुक के भीतर, बल्कि पार्टी प्रमुख के परिवार में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को अपनी बहन कनिमोझी की नाराजगी को दूर करना होगा। इससे यह भी संकेत मिलता है कि 2024 में 38 लोकसभा सीटों की बड़ी जीत को दोहराने के लिए पार्टी को बहुत मेहनत करनी होगी। उससे पहले एक ठोस राजनीतिक संदेश जरूर दिया गया है। इससे द्रमुक के संगठन में ऊर्जा आयेगी। सवाल यह है कि अभी क्यों उदयनिधि को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है? क्या यह डेढ़ साल पुरानी सरकार की छवि चमकाने की कोशिश है? पार्टी के भीतर बहुत तनातनी चल रही है। नौकरशाही का पूरा सहयोग भी नहीं मिल रहा है। द्रमुक को अंदेशा है कि अधिकारियों पर अन्नाद्रमुक का गहरा प्रभाव है।

राज्य में पदस्थ उत्तर भारतीय अधिकारी भी अड़चन डालते हैं। स्टालिन के लिए राज्यपाल आरएन रवि की सक्रियता भी बड़ा सिरदर्द है। सरकार के बरक्स राज्यपाल हिंदुत्व समर्थक भाषणों तथा केंद्र सरकार के प्रति झुकाव से एक समानांतर आख्यान बना रहे हैं। तमिलनाडु विधानसभा के अनेक निर्णयों को राजपाल स्वीकृत नहीं कर रहे हैं। इन कारकों के चलते स्टालिन को अपने बेटे को शामिल करने के साथ मंत्रिपरिषद में फेर-बदल करना पड़ा है। पहली बार विधायक बने उदयनिधि को युवा एवं खेल विकास तथा विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय दिये गये हैं। क्या वे अगले साल के बजट की तैयारी में हिस्सा लेंगे या विधानसभा में वरिष्ठ मंत्रियों की ओर से सवालों के जवाब देंगे? युवाओं में नरेंद्र मोदी के लिए आकर्षण है तथा राज्य की मीडिया भाजपा को महत्व दे रही है, इसलिए युवाओं को द्रमुक के पाले में लाने के इरादे से उदयनिधि को सरकार में शामिल किया गया है। साथ ही, विधि-व्यवस्था, कोयंबटूर विस्फोट आदि से जुड़े मामलों ने भी सरकार में फेर-बदल की स्थिति पैदा की।

स्टालिन की रणनीति पार्टी, सरकार और परिवार में शक्ति केंद्र की स्थिति को स्पष्ट करने की है। वरिष्ठ मंत्रियों में आपसी मनमुटाव है। अपने पिता से विपरीत स्टालिन बड़बोले मंत्रियों पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं। हाल में हुई पार्टी की उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने कहा कि नेताओं की आपसी तनातनी के चलते उन्हें ठीक से नींद नहीं आती और उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। तमिलनाडु सरकार की भी वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है। महिलाओं को वित्तीय सहायता देने तथा पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने के अपने वादों को स्टालिन पूरा नहीं कर पाये हैं। परिवार में सबरीसन के रूप में रॉबर्ट वाड्रा की तरह एक 'दामाद श्री' भी हैं, जिन्हें अफसरशाही, पार्टी कार्यकर्ताओं और करुणानिधि परिवार द्वारा बहुत महत्व दिया जाता है। व्यंग में एक टिप्पणीकार ने कहा कि दामाद श्री के जरिये स्टालिन ने एकल खिड़की प्रणाली की प्रभावी व्यवस्था कर दी है। यूट्यूब के कुछ तमिल चैनल यह भी संकेत करते हैं कि परिवार में कनिमोझी को किनारे किया जा रहा है।

वे करुणानिधि की दूसरी पत्नी की संतान हैं। उनके जन्मदिन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विशेष रूप से फोन कर बधाई दी है। उदयनिधि को मंत्री बनाये जाने को टीआर बालु, जगतरक्षकन, ए राजा, पलानिमणिक्कम जैसे असंतुष्ट पुराने नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है। कई सारे पार्टी सांसद स्टालिन के बजाय उदयनिधि के प्रति समर्पित माने जाते हैं। इस तरह से 2019 में उम्मीदवार तय किये गये थे। विधानसभा चुनाव में भी उदयनिधि की पसंद के अनुसार टिकट बांटे गये। केंद्र सरकार के प्रति स्टालिन का रवैया, खास कर गुजरात चुनाव के बाद, भी खासा दिलचस्प है। वे नरेंद्र मोदी को क्षुब्ध करना नहीं चाहते हैं। द्रमुक के सहयोगी दल भी उसके लिए चिंताएं खड़ी कर रहे हैं। स्टालिन संतुलित राजनीति साधना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी दो बार मुलाकात कुछ अजीब-सी बात है। दोनों नेताओं की बातचीत के बाद से भाजपा पर द्रमुक के आक्रामक हमले बंद हो गये है और चुप्पी-सी है। पहले द्रमुक के नेता कहा करते थे कि तमिलनाडु में भाजपा ऑक्टोपस की तरह अपने पैर पसारती जा रही है। ऐसे दो बड़े कारक हैं, जिन्होंने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक गठबंधन के लिए परेशानी पैदा कर दी। इनमें एक यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के सात आरोपियों को रिहा कर दिया और उसके बाद कांग्रेस इसके विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट पहुंची तथा उसने केंद्र सरकार से इस निर्णय का प्रतिकार करने को कहा। दूसरा मसला आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण से संबद्ध है। इसको लेकर कांग्रेस में विरोधाभासी विचार हैं, जबकि द्रमुक इसके पूरी तरह खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस आरक्षण व्यवस्था पर मुहर लगा दी है। बहरहाल, उदयनिधि को मंत्रिमंडल में शामिल करने के फायदे और नुकसान, दोनों हैं। पिता की सरकार में पुत्र को सम्मिलित करने से भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रचार करने का राजनीतिक चारा मिल गया है कि क्षेत्रीय दलों में 'घोर परिवारवाद' जारी है।

सेना में बनें अधिकारी अभी से करें तैयारी

सेना में अधिकारी बनकर देश की सेवा करने के इच्छुक युवाओं के लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी यानी एनडीए की परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण होती है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा साल में दो बार इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है। यह राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली परीक्षा है। अगले साल की पहली परीक्षा यानी एनडीए-1/2023 के लिए 21 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया आरंभ होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, परीक्षा का आयोजन 16 अप्रैल, 2023 को होगा। इस परीक्षा को पास करने के बाद अपनी पसंद से थल सेना, वायु सेना और नौसेना तीनों में से किसी एक में अधिकारी बनने का मौका होता है। जो युवा (पुरुषों के साथ अब महिलाएं भी) इस परीक्षा को पास करने का सपना देख रहे हैं, उनके लिए अगले कुछ महीने बहुत महत्वपूर्ण हैं।

स्मार्ट तरीके से बनाएं शेड्यूल

परीक्षा कोई भी हो, उसे पास करने के लिए हार्ड के साथ-साथ स्मार्ट तैयारी बहुत जरूरी होती है। अपनी पढ़ाई की योजना इस तरह से बनाएं कि तय समय में आप एनडीए परीक्षा में आने वाले पूरे सिलेबस को कवर कर सकें। तैयारी का शेड्यूल जितना व्यवस्थित होगा, परिणाम उतना ही अच्छा आएगा। परीक्षा के पूरे पाठ्यक्रम को शेड्यूल में ढालते समय यह जरूर देखें कि आपको किन टापिक्स पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। उसके बाद उनके बेसिक्स को अच्छे से समझें। बेसिक्स को लेकर समझ अच्छी हो, तो जटिल से जटिल प्रश्न आसानी से हल किया जा सकता है।

स्वास्थ्य पर दें पूरा ध्यान

वैसे तो कहावत है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। बात जब एनडीए की हो, तो स्वास्थ्य पर ध्यान देना और भी जरूरी हो जाता है। एनडीए में प्रवेश पढ़ाई के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व एवं स्वास्थ्य के आधार पर होता है। एनडीए से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी मानकों के बारे में पहले से जान लेना और खुद को उनके अनुरूप ढालना बहुत जरूरी है। शरीर पर परमानेंट टैटू को लेकर भी एनडीए में कुछ तय व्यवस्था है।

रिवीजन से क्लीयर होता है विजन

किसी परीक्षा में सफलता के लिए सालभर की तैयारी जितनी जरूरी होती है, आखिरी समय में रिवीजन भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। एनडीए की परीक्षा भी इसका अपवाद नहीं है। अगले कुछ महीनों के लिए तैयारी का शेड्यूल बनाते समय रिवीजन का शेड्यूल भी जरूर रखें। इसके अलावा, पिछले साल के प्रश्नपत्र हल करना भी फायदेमंद होता है। इससे अपनी तैयारी का स्तर समझने में मदद मिलती है।

अंग्रेजी पर कमांड जरूरी

एनडीए में अंतिम सीढ़ी तक पहुंचने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ बहुत जरूरी है। सिर्फ लिखित परीक्षा में ही नहीं, बल्कि इंटरव्यू के दौरान भी आपकी अच्छी अंग्रेजी आपको बेहतर परिणाम दिला सकती है। इसलिए अगले साल परीक्षा में बैठने की तैयारी कर रहे छात्र ही नहीं, बल्कि हर उस छात्र को इस विषय में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए, जो भविष्य में एनडीए के माध्यम से भारतीय सशस्त्र सेना में जगह बनाना चाहता है। सामान्य ज्ञान यानी जीके भी एनडीए परीक्षा को पास करने में अहम भूमिका निभाता है। नियमित रूप से कोई एक राष्ट्रीय अखबार एवं प्रतियोगिता पत्रिका पढ़ना इसका अच्छा तरीका है। ऐसा करने से आखिर में थोड़े समय का रिवीजन भी आपके लिए पर्याप्त होता है।

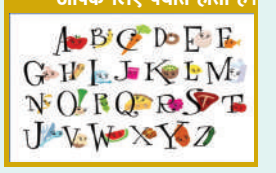

हंसना मना है

इंस्पेक्टर- क्या तुमने भागते हुए कातिल को पकड़ लिया? हवलदार-नहीं सर, पर उसकी उँगलियों के निशान ले आया हूँ! इंस्पेक्टर- चलो ठीक है ज कहां हैं निशान? हवलदार- सर, मेरे गालों पर!

एक बूढ़ी औरत ऐ टी एम के पास पप्पू से बोली: बेटा मेरा बैलन्स चेक करना! पप्पू ने उसे धक्का दे दिया, बूढ़ी औरत गिर गई! पप्पू : आपका बैलन्स खराब है!

गर्लफ्रेंड: क्या शादी की बाद भी तुम मुझे इतना ही प्यार करोगे? बॉयफ्रेंड: क्यों नहीं? मुझे तो शादी-शुदा लड़कियां बहुत पसंद हैं!

एक लड़का एक गधे के सामने गिर गया। एक खूबसूरत लड़की ने यह देखकर कहा- अपने बड़े भाई के पैर छू रहे हो? लड़का बोला-जी भाभीजी!

पत्नी: अगर मैं खो गयी तो तुम क्या करोगे? पति: मैं अखबार में इश्तिहार दूंगा। पत्नी: तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे? पति: जिसको मिले उसकी।

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप: बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले।

कहानी | मेंढक और बैल

किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' बच्चों ने कहा हां, मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने पूछा कि क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मानसिक स्पष्टता के लिए भ्रम और निराशा से बचने की कोशिश करें। आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं।

वृषभ

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ऐसा कोई काम करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। वर्किंग लोगों के लिए दिन अच्छा है। आपकी प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

मिथुन
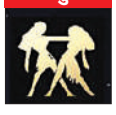
आज व्यवस्था के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिये कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे। करियर की दिशा में बदलाव लाने से कोई खासा लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क

आज शान्त और तनाव-रहित रहें। आप दूसरों पर कुछ ज्यादा खर्चा कर सकते हैं। अगर आप खरीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज्यादा जेब ढीली करने से बचें।

सिंह

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको कुछ नया सीखने को मौका मिल सकता है। ऑफिस में जूनियर से आपको सहयोग प्राप्त हो सकता है।

कन्या

आर्थिक दृष्टि से यह दिन सफल रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामले सुलझ सकते हैं। भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी। संबंधित मामले आज हल होंगे।

तुला

ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। रिश्तेदारों के साथ बिताया गया वक्त आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहेगा। सामाजिक कामकाज में आपका मन लग सकता है। आप कुछ भावुक भी हो सकते हैं। किसी जरूरी काम में दोस्तों का सहयोग मिल सकता है।

धनु

आज आपको आगे बढ़ने के कुछ नए रास्ते मिल सकते हैं। आत्मविश्वास कम न होने दें। किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर

आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है- ऐसे लोगों से कहने के लिए तैयार रहें, जो आपसे ज़रूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

कुम्भ

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आप जिस काम को करना चाहेंगे, वो काम आपके अनुसार पूरा हो जायेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

मीन

आप जिस जगह नौकरी कर रहे हैं उस जगह आपको अपनी नौकरी के काम की मान-सम्मान मिलेगा और आपकी तरक्की भी हो सकती है। मानसिक व्यग्रता का अनुभव करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म कुत्ते को लेकर अर्जुन ने साझा किया अपना अनुभव

अभिनेता अर्जुन कपूर कुत्ते का ट्रेलर साझा करने के लिए उत्साहित हैं, जिसका अनावरण अगले सप्ताह किया जाएगा। अभिनेता का कहना है कि इस तरह की फिल्म किसी भी अभिनेता के लिए सीखने का एक अच्छा जरिया है। कुत्ते एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, इसमें कोंकणा सेन शर्मा, कुमुद मिश्रा और राधिका मदान, तब्बू और नसीरुद्दीन शाह जैसे उत्कृष्ट कलाकार हैं। इस फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज ने किया है। फिल्म कुत्ते में अर्जुन कपूर एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा है, मुझे इंतजार है कि जब कुत्ते का ट्रेलर रिलीज होगा तो लोग इसको लेकर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। पर मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। आगे अपनी बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए कुत्ते बहुत खास फिल्म है। मुझे लव रंजन जैसे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता के साथ काम करने का मौका मिला, आसमान भारद्वाज जैसे उल्लेखनीय नवोदित निर्देशक, विशाल भारद्वाज को निर्माता, लेखक और संगीतकार के रूप में जानने का मौका मिला, गुलजार साब ने गीत लिखे हैं। इसके साथ मैंने इस फिल्म में बेहतरीन कलाकारों जैसे तब्बू, कोंकणा सेन शर्मा, नसीर सर, कुमुद जी, शार्दुल भारद्वाज और राधिका मदान के साथ काम किया। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए फिल्म की शूटिंग करना बहुत मजेदार था और यह सीखने का भी एक शानदार अनुभव था।

संजय दत्त के हाथ लगी साउथ की एक और फिल्म प्रभास भी आएंगे नजर

बॉलीवुड | मसाला

कुछ दिनों पहले ही संजय दत्त ने अपनी आने वाली फिल्म बाप ऑफ ऑल फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किया था। इस पोस्टर में बॉलीवुड के चार सुपरस्टार एक्टर्स को साथ में देखने के बाद फैंस काफी बेसब्र होते नजर आए। इसी बीच अब एक्टर की एक और फिल्म को लेकर खुलासा हुआ है। खबर सामने आई है कि उनके हाथ साउथ का एक और बड़ा प्रोजेक्ट लग गया है। पिछले काफी समय से संजय दत्त साउथ सिनेमा में कमाल कर रहे हैं। यह सच है पिछले कुछ दिनों से संजय दत्त साउथ फिल्मों में नजर आ रहे हैं। उनके काम को काफी सराहा भी जा रहा है। हाल ही केजीएफ में अधीरा बनकर लोगों के दिलों पर राज किया था। अब खबर सामने आई है कि उनके हाथ साउथ का एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक संजय दत्त को मारुति द्वारा निर्देशित प्रभास की एक फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। आगे बताया गया है कि यह नेगेटिव रोल नहीं बल्कि बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। खबर है कि अभिनेता दादा का किरदार निभाते नजर आएंगे। संजय के साथ अभिनेत्री जरीन वहाब भी नजर आएंगी। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में संजय दत्त और जरीन वहाब अपने करियर के अब तक के एकदम अलग किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आने वाले हैं। प्रभास ने मारुति की फिल्म के लिए लगभग एक सप्ताह का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है। फिल्म की शूटिंग उसी सेट पर हुई जिसमें चिरंजीवी स्टारर आचार्य की हुई थी। कहा जा रहा है कि यह फिल्म हॉरर कॉमेडी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी कहानी दादा, दादी और एक पोते पर आधारित होगी। इस फिल्म को फिलहाल तेलुगू भाषा में फिल्माया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग के दो शेड्यूल हैदराबाद में पूरे हो चुके हैं।

मेरे लिए फिटनेस ऑक्सीजन की तरह है इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है : निक्की

बिग बॉस 14 फेम निक्की तम्बोली अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह बेहतर स्वास्थ्य और तंदुरूस्त रहने के लिए बहुत मेहनत करती हैं। कहीं भी वह व्यस्त हो लेकिन वह जिम करना नहीं छोड़ती हैं। इसको लेकर निक्की तंबोली ने बात की और अपनी फिटनेस को लेकर अपना रुटीन साझा किया।

अपनी फिटनेस के बारें में बात करते हुए निक्की ने कहा है, मेरे लिए फिटनेस ऑक्सीजन की तरह है, जो एक जरूरत है। इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है। मेरा मानना है कि स्वस्थ्य शरीर के लिए एक दिन में तीन बड़े-बड़े मील खाने की जगह, पांच से छह बार छोटे-छोटे मील खा लेना चाहिए। यह उचित संतुलित पौष्टिक आहार बनाए रखने के बारे में है। फिट होने का मतलब सिर्फ यह नहीं है कि शरीर कैसा दिखता है बल्कि यह है कि अंदर से भी कितना अच्छा और स्वस्थ है। आगे निक्की तंबोली ने कहा, सोने से ठीक पहले ग्रीन टी पीना मेरी एक आदत है। यह मुझे वह डिटॉक्स करता है जिसकी मुझे पूरे दिन के बाद जरूरत होती है। इसके अलावा मैं सही भोजन और हेल्थी जूस पीना बहुत जरुरी समझती हूं, इससे फिर मुझे बाहर का कुछ खाने की जरुरत नहीं पड़ती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, निक्की ने अपने अभिनय की शुरूआत एक तेलुगु फिल्म चिकती गाडिलो चिथाकोटुडु से की थी। इसके बाद में उन्होंने एक तमिल फिल्म कंचना 3 भी की। हिंदी सिनेमा में निक्की को तब लोकप्रियता हासिल हुई जब उन्होंने टीवी पर डेब्यू बिग बॉस 14 से किया था, दर्शकों ने इसमें एक्ट्रेस को काफी पसंद किया। इसके बाद उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 11 में भी हिस्सा लिया था।

> फिट होने का मतलब सिर्फ यह नहीं है कि शरीर कैसा दिखता है बल्कि यह है कि अंदर से भी कितना अच्छा और स्वस्थ है।

अजब-गजब | दुनिया के कई देशों में आज तक नहीं दौड़ी है कोई भी ट्रेन

सड़क से बेहतर नहीं है कोई विकल्प

हमारे देश के रेल नेटवर्क की बात करें तो ये दुनिया के कुछ सबसे लंबे रेलवे नेटवर्क में शुमार है। दुनिया के ट्रांसपोर्टेशन के सबसे पुराने तरीकों में रेल शुमार है। सैकड़ों देशों में यात्रा करने का सबसे अहम और लोकप्रिय जरिया भी यही माना जाता है। हालांकि आज भी दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जहां रेल नहीं चलती है। आज हम आपको ऐसे ही देशों के बारे में बताएंगे, जहां आज भी ट्रेन में बैठना लोगों को नसीब नहीं होता है। तकनीक और आर्किटेक्चर की अद्भुत मिसालें आपको दुनिया भर में मिल जाएंगी, फिर भी कुछ देश ऐसे हैं, जहां आज भी कहीं आने-जाने के लिए सड़क से बेहतर दूसरा कोई विकल्प नहीं है। इन देशों में रेलवे प्रोजेक्ट्स शुरू तो हुए, लेकिन ये कभी भी बहाल नहीं हो सके। ऐसे देशों में कुछ नाम तो ऐसे हैं, जिन्हें सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। **भूटान:** हमारे पड़ोसी देशों में शुमार भूटान साउथ एशिया का सबसे छोटा देश है। अभी तक इस देश के पास कोई रेलवे नेटवर्क नहीं है। हालांकि इसे भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़े जाने की बात हो रही है। भारत ने नेपाल के तोरीबारी को पश्चिमी बंगाल के हाशिमारा से जोड़ने का प्लान तैयार किया है और ये रेल लाइन भूटान से होकर गुजरेगी। **अंडोरा:** अंडोरा देश आबादी के हिसाब से दुनिया का 11वां सबसे छोटा देश है। इस देश के पास कभी भी रेलवे नेटवर्क नहीं रहा। यहां के लोगों के लिए सबसे करीबी स्टेशन फ्रांस में है और इस देश तक जाने के लिए यहां से बस सेवा चलती है। **लीबिया:** लीबिया में पहले रेलवे लाइन्स थीं, लेकिन उन्हें सिविल वॉर के दौरान उखाड़ दिया गया। लीबिया में साल 1965 से ही कोई रेलवे नेटवर्क ऑपरेशनल नहीं है। साल 2001 में रास अजदिर और सिर्ते को जोड़ने वाली रेलवे लाइन पर काम भी शुरू हुआ था। इसके अलावा रास अजदिर और त्रिपोली को जोड़ने वाली रेलवे लाइन पर भी साल 2008 और 2009 के बीच काम शुरू हुआ। **कुवैत:** तेल के अकूत भंडार वाले देश कुवैत में एक भी रेल नेटवर्क नहीं है। कुवैत में कई रेलवे प्रोजेक्ट्स की योजना तैयार की गई है, जो कुवैत सिटी से ओमान के बीच होगा। ये 1200 मील लंबा गल्फ रेलवे नेटवर्क होगा। **साइप्रस:** साइप्रस में भी कोई ऑपरेशनल रेल नेटवर्क नहीं है। हालांकि यहां साल 1905 से 1951 तक रेलवे नेटर्क था, लेकिन इसे आर्थिक वजहों से बंद कर दिया गया। साइप्रस माइंस कॉर्पोरेशन की ओर से भी रेल लाइन एक्सटेंशन शुरू किया गया था, जिसे 1974 में बंद कर दिया गया।

सोमालिया ने समोसे पर लगाई पाबंदी बनाने और खाने पर मिलती है सजा

समोसा देश के कोने-कोने में स्ट्रीट फूड के तौर पर इसे पसंद किया जाता है। समोसा ठेले पर हो तो 5-10 रुपये में मिल जाता है लेकिन वही समोसा जब जरा महंगी दुकानों पर पहुंच जाता है तो उसके रंग-ढंग बदल जाते हैं। इतना ही नहीं, जिस समोसे पर हम जान छिड़कते हैं, उसी समोसे को एक ऐसा भी देश है, जहां पाबंदी का शिकार होना पड़ा है। भारत से लेकर पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल समेत कई और देशों में समोसे को लोग खूब पसंद करते हैं। हम भारतीयों को चाय के साथ अगर कोई स्नैक सबसे ज्यादा पसंद है, तो वो समोसा ही है। मेहमानों को परोसना हो या फिर छोटी-मोटी भूख का इंतज़ाम करना हो, करारे समोसे हर जगह काम आते हैं। हालांकि दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जहां समोसे पर पूरी तरह से पाबंदी है, इसे खाने या फिर बनाने पर लोगों को सज़ा तक दे दी जाती है। भारतीय समोसे को जहां यूरोपियन देशों तक में पसंद किया जा रहा है, वहीं अफ्रीकी देश सोमालिया में समोसा खाने पर पाबंदी लगी है। इस देश में समोसा बनाने, खरीदने और खाने पर लोगों को सज़ा भी दी जाती है। इसकी वजह है समोसा का तिकोना आकार। सोमालिया का एक चरमपंथी समूह मानता है कि समोसे का तिकोना रूप क्रिश्चियन कम्यूनिटी के एक चिह्न से मिलता-जुलता है। यही वजह है कि सोमालिया में समोसे पर प्रतिबंध लगाया गया है। हालत ये है कि सोमालिया में समोसा बनाने, खरीदने और खाने पर भी सजा का प्रावधान है। कई रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है कि समोसे में सड़े-गले मीट को भरने की वजह से इस पर पाबंदी लगाई गई।

उत्तर भारत में कहर बरपा रहा कोहरा, यूपी-हरियाणा में कई दुर्घटनाएं

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला

» धुंध के कारण हिसार में टकराई काफिले की गाड़ियां, कमांडो जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में घने कोहरे के कारण मंगलवार सुबह विजिबिलिटी बेहद कम रही। मौसम विभाग ने कहा कि आने वाले कुछ दिन इन राज्यों में काफी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के काफिले की गाड़ी का हिसार के ढंढूर-अग्रोहा के बीच एक्सीडेंट हो गया। हादसा सोमवार रात करीब 11 बजे हुआ। उस समय डिप्टी सीएम हिसार से सिरसा जा रहे थे। हादसे की वजह धुंध थी। हरियाणा में मंगलवार को भी घना कोहरा छाया रहा। उधर उत्तर प्रदेश के नोएडा में रविवार सुबह एक बस रेलिंग तोड़कर 10 फीट नीचे गिर गई। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हुई है। बता दें कि हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के काफिले की गाड़ी का हिसार के ढंढूर-अग्रोहा के बीच एक्सीडेंट हो गया। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। उस समय डिप्टी सीएम हिसार से सिरसा जा रहे थे। हादसे में पायलट गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की वजह धुंध रही। डिप्टी सीएम के काफिले के आगे एक ट्रक चल रहा था। अचानक ट्रक ने ब्रेक लगाई तो पीसीआर 19 उससे टकरा गई। पीछे चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी पीसीआर 19 से जा टकराई। इसमें कमांडो को हल्की चोट लगी। जबकि डिप्टी सीएम की गाड़ी बाल- बाल बची। इसके बाद पुलिस ने दूसरी गाड़ी मंगवा एस्कार्ट लगाई और डिप्टी सीएम के काफिले को सिरसा रवाना किया। जबकि दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को पुलिस लाइन में खड़ा किया।

रायबरेली में लोडर से टकराया स्कूली मैजिक, 7 घायल

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में सलोन थाना क्षेत्र में घने कोहरा के चलते सोमवार सुबह स्कूली मैजिक और लोडर में जोरदार भिड़ंत हो गई। मैजिक में सवार आधा दर्जन बच्चे जख्मी हो गए। आनन-फानन में ग्रामीणों की सहायता से बच्चों को सीएचसी सलोन में भर्ती कराया गया। गाड़ी के अंदर फंसे स्कूली चालक को बाहर निकाला गया। डीएम के निर्देश पर एसडीएम सलोन घायल बच्चों को देखने पहुंचे।

नोएडा से अयोध्या आ रही बस कंटेनर से भिड़ी, एक की मौत

नोएडा। नोएडा के दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत पैरिफेरल और गलगोटिया के बीच आगरा से नोएडा जाने वाले रास्ते पर बस और कंटेनर के बीच टक्कर हो गई, जिसमें 10-15 लोग घायल हो गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। जानकारी के मुताबिक, कोहरा अधिक होने के कारण बस कंटेनर से टकरा गई और रेलिंग से नीचे उतर गई। सभी घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल भेजा जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत पेरिफेरल और गलगोटिया के बीच आगरा से नोएडा जाने वाले रास्ते पर बस और कंटेनर के बीच दुर्घटना में 10-15 लोग घायल हुए हैं।

46 ट्रेनें रहीं घंटों लेट पांच हजार यात्रियों ने कैंसिल कराए टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। सीजन के पहले कोहरे का असर ट्रेन, बस और फ्लाइटों पर पड़ा। 700 मीटर से कम दृष्यता पर बेंगलुरू, मुंबई और दिल्ली से आने वाली चारों फ्लाइटें निरस्त कर दी गई। लेटलतीफी का अंदाजा इसी से लगा कि सुबह आने वाली श्रमशक्ति दिन में 10 बजे तो दिन में 11.20 बजे आने वाली स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस दोपहर 13.33 बजे आकर गई।

वहीं दिल्ली, आगरा, मथुरा और मेरठ से आने वाली 47 बसें 4 घंटे देरी से सुबह के बजाय दिन में 10 बजे के बाद झकरकटी या फिर चुन्नीगंज डिपो पहुंचीं। ट्रेनों की लेटलतीफी के चलते 4987 यात्रियों ने टिकट कैंसिल कर दिया। इस वजह से इंक्वायरी काउंटरों पर भीड़ तो रही ही, साथ दोपहर को धूप निकलने पर यात्री सिटी साइड खुले आसमान में बैठ इंतजार करते दिखे। सीजन के पहले कोहरे के आगोश में दिल्ली, झांसी की ओर से रात तीन से सुबह छह बजे के बीच आने वाली हर ट्रेन लेट आकर गंतव्य को गई। सोमवार को 12488 सीमांचल ढाई घंटे, 22531 छपरा मथुरा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, 12506 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस चार घंटे, 18203 बेतवा एक्सप्रेस चार घंटे, 22432 उधमपुर सूबेदारगंज एक्सप्रेस नौ घंटे,18310 जम्मू तवी संभलपुर एक्सप्रेस सवा पांच घंटे,02570 दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस पांच घंटे, 02563 बरौनी नई दिल्ली स्पेशल सवा दो घंटे, 12003 शताब्दी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, 19322 पटना इंदौर एक्सप्रेस सवा दो घंटे, 15658 ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस ढाई घंटे, 12801 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, प्रयागराज चार, मगध एक्सप्रेस छह, 12314 सियालदह राजधानी एक्सप्रेस ढाई घंटे सहित 46 ट्रेनें लेट आकर गई। कोहरे का असर रोडवेज बसों पर भी पड़ा।

फोटो:4 पीएम

संगोष्ठी लखनऊ विवि और भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय भाषाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा-चुनौतियां एवं अवसर के विषय पर हुई।

गार्डों ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

» इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में सुरक्षा गार्ड पर फायरिंग करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहबाद यूनिवर्सिटी में सोमवार को छात्रों और गार्डों के बीच हुई झड़प में गार्डों ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जिसके बाद यहां भारी वबाल हुआ। इस दौरान पूर्व छात्र विवेकानंद पाठक सहित कई छात्र घायल हो गए हैं। मौके पर ही भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। छात्रों ने गार्डो पर गोली चलाने का आरोप भी लगाया है।

बता दें कि छात्रसंघ बहाली को लेकर छात्र प्रदर्शन चल रहा था। इसी बीच सुरक्षा गार्ड छात्रों के बीच घुस गये और मार-पीट शुरू कर दी। गुस्साए छात्रों ने विरोध किया तो उनको दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा कैंपस पंहुचे और स्थिति को संभालने में जुटे रहे।

दीपिका-शाहरुख का विदेश में सम्मान, फिर देश में नफरत क्यों!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ बेशर्म रंग गाने को लेकर विवाद हो रहा है फिल्म पठान के बॉयकॉट की भी मांग की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ दीपिका का फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का इनॉगरेशन किया जाना पूरे देश के लिए एक प्राउड मूमेंट बन गया है। दीपिका और शाहरुख का विरोध करने वालो का इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई हैं... ऐसे में बड़ा सवाल उठता हैं कि फीफा में दीपिका और शाहरुख के स्वागत से क्यों सन्नाटे में है नफरत फैलाने वाले! वरिष्ठ पत्रकार, धनंजय कुमार, आनंदवर्धन सिंह, सुशील दुबे, अखिल भारतीय सवर्ण महासभा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आचार्य कौशलेंद्र शास्त्री के साथ संपादक संजय शर्मा की लम्बी चर्चा हुई।

सुशील दुबे ने कहा, हम लोग नागा साधु के देश के हैं हम 2014 के बाद के हिंदू नहीं हैं। हम लोग वो हैं जो जैन धर्म के सन्यासी को जो ऊपर से नीचे तक मोर पंख से अपने शरीर को ढक कर चलते थे। हम लोग उनको प्रणाम करने वाले लोग हैं हम लोग चिन्मयानंद वाले भगवान नहीं है। हम तो दीपिका बिटिया को बधाई देते हैं दीपिका बिटिया ने राजधर्म में कम कपड़ों में इज्जत बचा दी। जैसे फ्री राशन बांट रहा है ऐसे ही दीपिका बिटिया ने अगर कम कपड़ों में सबका इज्जत बचा लिया तो हमें तो गर्व होना चाहिए। आचार्य कौशलेंद्र शास्त्री ने कहा कि राजू दास जी को एक महंत होकर और एक संत होकर केवल बिकिनी पर या किसी के प्राइवेट कपड़े पर कमेंट नहीं करना चाहिए। लेकिन दीपिका जी का न पठान फिल्म में न उस ड्रेस कोड में भगवा रंग का कोई समावेश बहुत जरूरी नहीं दिख रहा है। जब देश का माहौल गड़बड़ आया था तो कांग्रेस की सरकार थी आप कोई भी याद होगा हमको भी याद है एक किसी सम्मानित व्यक्ति मैं उनका नाम नहीं लूंगा। उन्होंने हमको हिंदू आतंकवादी और भगवा आतंकवादी कहा उन्होंने ऐलान कर दिया यह रंग हमारा है इससे पहले हमारा नहीं था। आनंदवर्धन सिंह ने कहा कि मैं आपको यह बता दूं यह दुनिया भर का सबसे बड़ा जमावड़ा है। दुनिया का कोई भी स्पोर्ट्स हो या ओलंपिक से सबसे ज्यादा बड़ा यह स्पोर्ट्स इवेंट है। उसमें यह बात मानने वाली होगी इतने बड़े इवेंट में एक ऐसा देश जिसको क्रिकेट के आगे कुछ सुजाता ही नहीं है क्रिकेट के आगे लगता ही नहीं कोई गेम इस देश में हो सकता है आज हम हॉकी भूल गए हैं नहीं सही एक दूसरा देश जहां पर फुटबॉल में हमारी कोई गिनती नहीं है। दुनिया में ऐसे देश के 2 लोगों को बुलाया जाता है वहां फीफा में यह तो बड़े सम्मान की बात है हमारे देश के लिए। जैसा आप ने बताया कि फिल्म के गाने में दीपिका 6,7 बिकनी पहनती हैं उसमें एक बिकिनी जो भगवा रंग का होता है। अब उसे भगवा बोला जाने लगा पहले तो उसे ऑरेंज बोला जाता था। धनंजय कुमार ने कहा कि संजय भाई आनंद भाई साहब ने बहुत अच्छी बात कही है। उन्होंने एक बात कही है कि चीन पर चर्चा ना हो इसलिए किया गया है यह सब यह बात बिल्कुल सही है। एक और महत्वपूर्ण बात है यह नफरत की फैक्ट्री ने नफरत का पूरा देश बना दिया हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

हम हैं असली देशभक्त : खरगे

कांग्रेस का भाजपा पर प्रहार, चीन के मुद्दे पर बहस करने से बच रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयानों के चलते हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। सत्ताधारी पार्टी पर तीखे बयानबाजी के लिए खड़गे जाने जाते हैं। फिर से मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी पर कड़ा प्रहार किया है। भाजपा पर जुबानी हमला करते हुए खड़गे ने कहा कि आपने देश के लिए क्या किया? देश की एकता के लिए इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने अपनी जान की कुर्बानी दी।

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अपनी जान दी,आपने क्या किया? खड़गे ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि इनके घर में कोई देश के लिए एक कुत्ता नहीं मरा है, क्या किसी ने कुर्बानी दी है? नहीं। कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर विवाद होने के पूरे आसार हैं। हाल ही में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के दौरान खड़गे ने पीएम मोदी को रावण से तुलना कर दिया था। जिसके बाद भाजपा नेताओं ने मल्लिकार्जुन पर खूब बयानबाजी की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि हम और हमारी पार्टी हमेशा देश के साथ हैं। हाल ही में हुए चीन से भारतीय सैनिकों की झड़प की जानकारी देश व विपक्ष से छुपाई जा रही है। दरअसल, 9 दिसंबर को अरूणाचल प्रदेश के तवांग के यांग्त्से इलाके में भारतीय व चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। जिसमे 3 से 4 जवान को हल्की चोटें आई थी। तभी से विपक्ष सरकार से संसद में चर्चा करने की मांग कर रहा हैं। बहस करने से बच रही है सरकार मल्लिकार्जुन खड़गे ने जनसभा को संबोधित करते हुए चीन से बॉर्डर पर हुए भारतीय सैनिकों के झंडप के मुद्दे को उठाया।

भाजपाई बताते हैं देशद्रोही पर हमें लोकतंत्र की चिंता

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये पूरी बात भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बोली है। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों राजस्थान के अलवर से गुजर रही हैं। जहां पर खड़गे ने एक सभा को संबोधित किया। जिसमे कहा कि हम कुछ बोले तो वो हमे देशद्रोही बता देते हैं। भाजपा को ललकारते हुए कहा कि इन लोगों ने देश के लिए कुछ नहीं किया। फिर भी ये देशभक्त बने फिरते हैं। वहीं खड़गे ने कांग्रेस पार्टी को लेकर कहा कि हमारी पार्टी ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर किया है। इसके बाद भी भाजपा वाले हमे देशद्रोही बताते हैं। वहीं खड़गे ने लोकतंत्र को लेकर अपनी चिंता भी जताई। उन्होंने कहा कि सरकार से हम चीन के आक्रमण पर चर्चा चाहते हैं लेकिन सत्ता पार्टी तैयार नहीं है। खड़गे ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बाहर तो शेर जैसी बातें करते हैं लेकिन असल में वो चूहे की चाल चलते हैं।

नगर निकाय आरक्षण : हाई कोर्ट की सुनवाई पर लगीं सबकी निगाहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय के चुनाव पर इलाहाबाद हाई कोर्ट आज महत्वपूर्ण फैसला दे सकता है। मामले से जुड़ी एक याचिका पर कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा, जिस पर प्रदेश के तमाम छोटे-बड़े दलों की नजर है। निर्दलीय उम्मीदवार भी हाई कोर्ट से किसी फैसले की उम्मीद जता रहे हैं। मंगलवार को नगर निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर फैसला आने की उम्मीद इसलिए भी है क्योंकि 24 दिसंबर के बाद हाई कोर्ट 2 जनवरी तक के लिए बंद रहेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि कोर्ट इस पर मंगलवार को ही अपनी स्थिति स्पष्ट कर देगा।

बता दें कि बीते हाई कोर्ट ने 12 दिसंबर को निकाय चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करने पर अंतरिम रोक लगाई थी, जो मंगलवार तक प्रभावी है। मामला ओबीसी आरक्षण को लेकर फंसा है, जिसके लिए याचिका दाखिल की गई है। वैभव पांडेय और अन्य के नाम से दाखिल याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया है, जिसमें सर्वोच्च अदालत ने निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट का फॉर्मूला अपनाने को कहा था। आरोप है कि सरकार ने बिना ट्रिपल टेस्ट के रैपिड टेस्ट के आधार पर आरक्षण तय कर दिया।

फोटो:4 पीएम

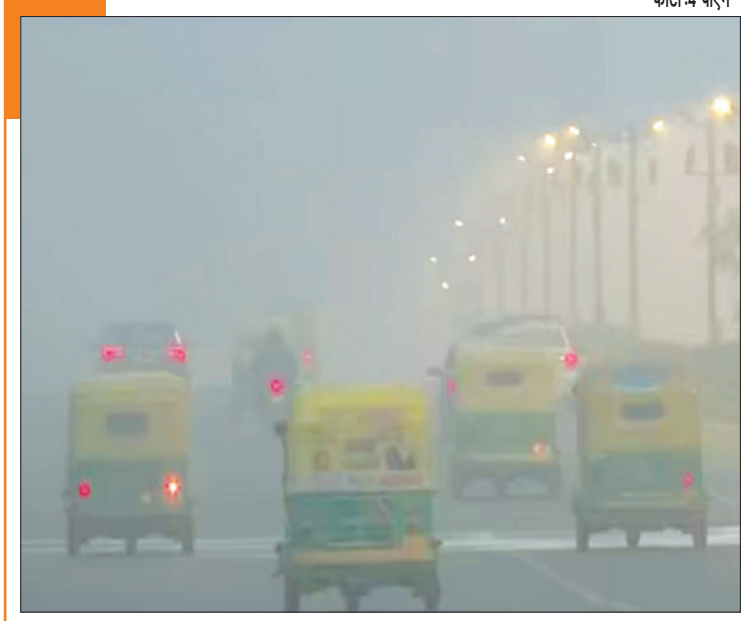

आफत दिल्ली से यूपी-बिहार तक कोहरे ने कोहराम मचा दिया है। मंगलवार की सुबह कुछ ऐसा रहा सड़कों का नजारा।

रात 11 बजे के बाद यूपी में नहीं चलेंगी रोडवेज बसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने लोगों की सुरक्षा के हित में बड़ा फैसला लिया है। अब रात्रि 11 बजे के बाद किसी भी बस अड्डे से किसी भी बस का संचालन नहीं किया जाएगा। दरअसल, प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड की वजह से रात में घने कोहरे छाए रहते है। जिसकी वजह से बड़े-बड़े हादसे हो रहे हैं।

मंगलवार को कोहरे कारण ही बड़ी हुई है। झांसी से दिल्ली की तरफ आ रही एक निजी बस यमुना एक्सप्रेसवे के ईस्टर्न पेरीफेरल पुल के पास आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गई। घना कोहरा होने के कारण बस चालक को कंटेनर दिखाई नहीं दिया तथा बस कंटेनर से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर यमुना एक्सप्रेसवे से करीब 30 फुट नीचे जा गिरी। बढ़ते हादसों के मद्देनजर ही प्रदेश सरकार ने रात्रि बसों के संचालन को बंद रखने का निर्णय लिया है।

लखनऊ स्मार्ट सिटी की 18वीं बोर्ड बैठक संपन्न

राजधानी में अधूरे निर्माण कार्यों को शीघ्र करें पूरा : मण्डलायुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मण्डलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 18वीं बोर्ड बैठक स्मार्ट सिटी कार्यालय सभागार में संपन्न हुई। बैठक में स्मार्ट सिटी के तहत लखनऊ में कराये जा रहे विभिन्न कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से मण्डलायुक्त ने कहा कि जो भी कार्य लम्बित है उनको शीघ्र पूरा किया जाये।

बैठक में प्रस्तावित परियोजनाओं को संस्तुति भी दी गई। जिसमें भातखंडे संगीत संस्थान का डिजिटलीकरण, शहीद पथ का पुनरोद्धार, दिव्यांग पार्क का विकास, योग पार्क का विकास (संख्या 2), केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेल बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण, निगरानी के लिए कॉल सेंटर की स्थापना के लिए एसआई का चयन और 1090 राउंड में लाइटिंग प्रोजेक्ट आदि कार्यों को पूरा कराया जायेगा। डीएम सूर्यपाल गंगवार, नगरायुक्त इंद्रजीत सिंह, एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बसपा के लिए निकाय चुनाव अहम, मायावती ने खुद संभाल ली प्रत्याशी चयन की कमान

» पार्टी सुप्रीमो नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ना चाहतीं चुनावी बागडोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती अब स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुट गई है। एक तरफ जहां भाजपा, सपा, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों ने प्रत्याशियों के चयन की जिम्मेदारी प्रदेश और जिला स्तर की स्क्रीनिंग समितियों को दे दी है।

उधर, मायावती ने मेयर से लेकर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष तक के दावेदारों के चयन का जिम्मा खुद संभाल लिया है। यूपी के अलग-अलग जिलों के नगर पालिका परिषद नगर पंचायत पार्षद से लेकर तक के प्रत्याशियों से मायावती खुद मुलाकात कर रही हैं। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत पद के प्रत्याशियों की जिम्मेदारी मायावती ने बसपा की जिला इकाई और कोऑर्डिनेटर को सौंप दी है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 762 शहरी स्थानीय इकाइयां हैं, जिनमें 17 नगर निगम 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें शामिल हैं। इन सभी निकायों के तहत करीब 4 करोड़ 85 लाख की आबादी निवास करती है। अभी इसी महीने उत्तर प्रदेश सरकार ने मेयर और अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण की सूची जारी की थी। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य चुनाव आयोग स्थानीय निकाय में चुनाव कार्यक्रम का प्रस्ताव मुहैया कराएगा। सरकार की तरफ से मंजूरी मिलने के बाद चुनाव कार्यक्रम की नोटिफिकेशन जारी कर दी जाएगी।

सूत्रों के अनुसार मायावती पिछले एक महीने से लखनऊ में ही कैंप कर रही हैं और अपने आवास पर प्रतिदिन टिकट के दावेदारों के साथ मुलाकात कर रही है।

विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन से लिया सबक

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।